उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने किया भीम डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

14 अप्रैल, 2023 को हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पंचकूला सेक्टर 12 ए के अंबेडकर भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती पर आयोजित समारोह में भीम डिजिटल लाइब्रेरी जनता को समर्पित की और अपने स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अंबेडकर भवन में डिजिटल लाइब्रेरी खोलने और उसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु किताबों की पूर्ति करने और शिक्षा के लिये सॉफ्टवेयर लगवाने में भी हर संभव मदद की जाएगी।
- उन्होंने कहा कि शिक्षा की अलख जगाने के लिये डिजिटल लाइब्रेरी के विज़न से समाज आगे बढ़ेगा और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल और सुखमय होगा। इसके साथ ही वास्तव में बाबा साहब की सोच को भी मूर्त रूप दिया जा सकेगा।
- इस लाइब्रेरी में कंप्यूटर की व्यवस्था के अलावा लिफ्ट लगवाने का कार्य भी करवाया जाएगा। इसके अलावा यदि कुछ कार्य रह भी जाएंगे तो हैफेड के सी एस आर फंड से करवाए जाएंगे।
- इस अवसर पर निदेशक आईसीएस परमिल कुमार ने कोचिंग सेंटर में टीचिंग फैकल्टी उपलब्ध करवाने एवं जेजेपी सचिव रणधीर सिंह ने लैपटॉप देने की घोषणा की।
- उल्लेखनीय है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर स्थित महू (डॉ. अंबेडकर नगर) में हुआ था। 6 दिसंबर, 1956 को इनका देहांत हो गया था।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर पेशे से मुख्यत: विधिवित्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर ने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) के साथ हाने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। उन्होंने श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री तथा भारतीय संविधान के जनक थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/deputy-chief-minister-dushyant-chautala-inaugurated-bhim-digital-library